जियाजी राव कपड़ा मिल लिमिटेड को वर्ष 1969-70 के बीच कितने औद्योगिक लाइसेंस दिये गये ;

(ख) क्या उक्त मिल में कोई ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें वैयक्तिक रूप से लाइसेंस मिला है, किन्तु उनका तमाम कार्य जियाजी राव कपड़ा मिल द्वारा किया जाता है ;

(ग) क्या इस सम्बन्ध में कोई जांच की गई है, और यदि हां, तो उसके क्या परिणाम निकले हैं ; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

वैदेशिक व्यापार मंत्रालय में उप-मंत्री (चौधरी राम सेवक) : (क) वर्ष 1969-70 में जियाजी राव काटन मिल्स को कोई औद्योगिक लाइसेंस नहीं दिया गया था ।

(ख) सरकार को इस आशय की कोई जानकारी नहीं है ।

(ग) तथा (घ). प्रश्न नहीं उठते ।

Opening of Rubber Purchasing Centre by S. T. C.

4839. SHRI YASHPAL SINGH : Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state :

(a) whether the State Trading Corporation propose to open purchasing centres for rubber at some other places ;

(b) if so, what are those places ; and

(c) how many tons of rubber the State Trading Corporation expect to secure from purchasing Centres per month ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE (CHOWDHARY RAM SEWAK) : (a) Yes, Sir.

(b) The State Trading Corporation started first with Cochin and thereafter entered purchases at Kottayam and Calicut. Another centre at Parakode is also proposed to be started shortly.

(c) State Trading Corporation purchased about 900 tonnes in the first month : and with the functioning of four centres purchases of rubber are expected to increase.

नायलन का मूल्य

4840. श्री रघुवीर सिंह शास्त्री : क्या वैदेशिक व्यापार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) नायलन की विभिन्न किस्मों के अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य क्या हैं और भारत में उनका क्या मूल्य है ;

(ख) अन्तर्राष्ट्रीय बाजार और भारत में उनके मूल्यों में भारी अन्तर होने के क्या कारण हैं ; और

(ग) नायलन के मूल्य स्थिर करने के लिए सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

वैदेशिक व्यापार मंत्रालय में उप-मंत्री (चौधरी राम सेवक) : (क) तथा (ख). विदेशी निर्माताओं द्वारा स्वदेशी बाजारों और निर्यात बाजारों के लिए अलग-अलग कीमतें रखी गयी हैं । ब्रिटेन तथा सं० रा० अमरीका में कतिपय डेनियरों वाले नायलन धागे की उन देशों में, शुल्क तथा अन्य आरोपणों रहित, कीमतें तथा

भारतीय बाजारों के लिए लागत बीमा भाड़ा सहित कीमतें निम्नलिखित हैं :—

डेनियर	ब्रिटेन	घरेलू कीमतें (रुपया प्रति किग्रा) स० रा० अमरीका में	लागत बीमा भाड़ा की (रुपया प्रति किग्रा) ब्रिटेन से	अमरीका से
15	34 23	45.30	16.88	20.17 (घटिया किस्म)
20	26.95	43.82	12.00	—
40	18.68	33.23	—	13.39

आयातित नायलन धागे की कीमतें आयात शुल्क उत्पादन शुल्क, बिक्रीकर, निकासी तथा परिवहन आदि जोड़कर निकाली जाती है । स्वदेश निर्मित धागे की कीमतों में उत्पादन शुल्क, बिक्रीकर, चुंगी, बीमा तथा भाड़ा शामिल होता है । भारत में कतिपय डेनियरों वाले नायलन धागे की विद्यमान कीमतें निम्नलिखित है :—

डेनियर	राज्य व्यापार निगम द्वारा बेचा जाने वाला	स्वदेश में उत्पादित
15	75.00 (घटिया किस्म)	76.00
20	69.00	70.00
40	66.00 "	66.75/68.75

(ग) नायलन धागे के मूल्यों को स्थिर करने के लिए सरकार द्वारा निम्नोक्त उपाय किये गये हैं :—

(1) नायलन धागे की कीमतें कम करने के लिए सरकार ने नायलन धागे की कताई करने वालों तथा वास्तविक प्रयोक्ताओं के साथ बातचीत की और इस बातचीत के फलस्वरूप कताई करने वालों तथा वास्तविक प्रयोक्ताओं के बीच एक स्वेच्छिक समझौता हो गया जिससे एकाकी फिलेमेंट धागे (15 तथा 20 डेनियर) में 5 रु० की कमी और बहु-फिलेमेंट धागे में 4.25 रु० से 7.75 रु० तक विविधरूपी कमी हुई है और यह 1 जुलाई, 1970 से 28 फरवरी, 1971 तक प्रभावी है ।

(2) स्वदेशी उत्पादन की सप्लाई बढ़ाने के लिए राज्य व्यापार निगम नायलन धागे का आयात करता है ताकि स्थानीय मांग पूरी की जा सके ।

(3) नायलन धागे के लिए उचित कीमतें निश्चित करने का प्रश्न टेरिफ

आयोग को सौंपा गया था और उसका प्रतिवेदन सरकार के विचाराधीन है ।

गत तीन वर्षों में सूती कपड़ा मिलों का उत्पादन

4841. **श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :**
श्री नि० रं० लास्कर :
श्री गार्डिलिगन गोड :

क्या वैदेशिक व्यापार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गत कुछ वर्षों से देश में सूती कपड़ा मिल के उत्पादन में कमी आ गई है तथा उत्पादन लागत में वृद्धि हुई है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं तथा गत तीन वर्षों में उत्पादन तथा उत्पादन लागत के आंकड़े क्या हैं ; और

(ग) सूती कपड़ा उद्योग की स्थिति को सुधारने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किये जा रहे हैं ?

वैदेशिक व्यापार-मंत्रालय में उप-मंत्री (चौधरी राम सेवक) : (क) तथा (ख). जानकारी एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी ।

(ग) बन्द मिलों अथवा बन्द प्राय मिलों अथवा वित्तीय या अन्य कठिनाइयों के परिणामस्वरूप संकटग्रस्त मिलों के मामलों में गुणावगुण के आधार पर विचार किया जाता है । ऐसी मिलों का, जिनके सीमित धन लगाने से अर्थक्षम रूप में चलने की सम्भावना होती है, प्रबन्ध केन्द्रीय सरकार द्वारा उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम के अधीन अपने हाथ में ले लिया जाता है । राज्य सरकारों ने भी कतिपय एकक फिर से चालू कर दिया है और उन्हें रोजगार सहायता उपक्रमों के रूप में चला रही है ।

निर्यात अभिमुख एककों के आधुनिकीकरण की एक विशेष योजना तैयार की जा रही है । कमजोर तथा मालूमी लाभ पर चलने वाली मिलों के कार्यचालन पर विचार करके उनके आधुनिकीकरण सम्बन्धी आवश्यकताओं पर ऋण के लिए मार्जिन, ब्याज दर, ऋण लौटाने की शर्तों आदि के विशेष संदर्भ में, सिफारिशें करने के लिए एक कार्यकारी दल नियुक्त किया गया है ।

Alleged Pak Training of Guerillas to Hijack, Indian Civil Planes

4842. SHRI DEVEN SEN : Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether his attention has been drawn to an alarming news in the Sandesh, a local urdu daily of Jammu, that Pakistan has trained four guerillas to hijack Indian civil planes which fly between Jammu and Srinagar ; and

(b) if so, Government's reaction thereto ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS AND MINISTER OF STATE, DEPARTMENTS OF ELECTRONICS AND SCIENTIFIC AND INDUSTRIAL RESEARCH (SHRI K. C. PANT) : (a) Yes, Sir.

(b) The Central Government are alive to threats of hijacking of our planes on domestic and international flights. Necessary measures have been taken to ensure the safety of our planes.

Corporation to run Sick Mills of West Bengal

4843. SHRI SARDAR AMJAD ALI : Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state :

(a) whether Government have been advised to set up a Textile Corporation to run